कलेक्टर को दिखाने बापूराव कॉलेज में तामझाम

दूसरे दिन से व्यवस्था पुराने ढर्रे पर

छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 7 फरवरी। सुकमा जिला मुख्यालय स्थित शहीद बापूराव महाविद्यालय में शुक्रवार को जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें विशेष रूप से जिले के कलेक्टर अलेक्स पाल मेनन व्ही ने शिरकत की। वहीं कॉलेज प्रबंधन द्वारा बैठक की तैयारियों को लेकर एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया गया था। कॉलेज प्रशासन शुक्रवार को सहीं समय पर महाविद्यालय में आ गया था

वहीं कॉलेज की साफ-सफाई को लेकर प्रबंधन इस बार कुछ ज्यादा सजग नजर आया। गौरतलब है कि जिस कक्ष में बैठक होनी थी उक्त कक्ष को दुल्हन की तरह सजाया गया था। बैठक में प्राचार्य द्वारा अनियमितताओं का सारा ठीकरा विद्यार्थियों के सिर पर जड़ दिया गया। ज्ञात हो कि इसी कॉलेज में 17 नवम्बर को अतिरिक्त फीस वसूली का मामला प्रकाश में आया था। वहीं कलेक्टर सुकमा की बैठक के बाद सिथति फिर से जस के तस बन गई। बैठक के दूसरे दिन से ही पुन: कॉलेज प्रबंधन

अपनी मनमानी पे उतर आया है। दूसरे दिन जब छत्तीसगढ़ ने सुकमा कॉलेज में जाकर देखा तो पूरा माहौल ही बदल गया । दूर-दराज से आए विद्यार्थी दस्तावेज जमा करने के लिए बाबू का इंतजार कर रहे थे।

आशाओं पर फिरा पानी

सुकमा कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित जनभागीदारी समिति की बैठक में इस बार विद्यार्थियों सहित सभी की नजरें टिकी हुई थी। क्योंकि बैठक में कलेक्टर अलेक्स पॉल मेनन व्ही शिरकत करने वाले थे। परन्तु उस वक्त सभी की आशाओं पर पानी फिर गया जब कलेक्टर श्री मेनन ने यह कहा कि भूल जाओ पिछली बातों को और एक अच्छे कल की ओर अग्रसर हो। परन्तु गौर करने वाली बात यह है कि जब अतीत और वर्तमान ही अव्यवस्था और अनियमितताओं से लिप्त हो तो एक अच्छे भविष्य की कामना कैसे की जा सकती है?

उच्च स्तर तक जाएंगे: राठी

जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष लीलाधर राठी ने चर्चा में स्वीकार करते हुए कहा कि निश्चित ही यहां की व्यवस्था अत्यंत खराब है और जिस तरह से यूजीसी मद व पुस्तक खरीदी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है उसकी जांच जिला प्रशासन को स्वयं आगे आ कर करनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो इस हेतु सीधे शासन को पत्र लिख कर कालेज की जांच कर कार्रवाई की मांग करेंगे।

नितिन रोकड़े बने जिलाध्यक्ष

जगदलपुर, 7 फरवरी। आजाद जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष यशवीर सिंह की अनुशंसा पर महासचिव राजेश तिवारी ने बस्तर जिलाध्यक्ष के पद पर नितिन रोकड़े की नियुक्ति की है। उनकी नियुक्ति पर प्रदेश सचिव एवं बस्तर संभाग प्रभारी गोपाल शर्मा, लखन ठाकुर, नितिन सेठिया, मनोज पांडे, गुंजन जैन,सुखदेव बघेल, महेश्वर बघेल, राजिमधर बघेल, शंकरनाथ झा,लक्ष्मण यादव,,सुमन नाग सहित अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

छोटी सी बात

अपने पढ़े जा चुके अखबार को किसी ऐसे गरीब को अगले दिन दे दें, जिसे पढ़ना आता हो, पढ़ने का शौक हो, लेकिन जो खरीद न पाता हो। कागज के लिए एक पेड़ की जिंदगी की कुर्बानी का कुछ तो इज्जत हो।

हैदराबाद-केरला फाइनल में

बचेली, 7 फरवरी। लौह नगरी बचेली में ऑल इंडिया एनएमडीसी आयरन ओर कप फुटबॉल प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला मंगलवार को हैदराबाद गोल्ब और नागपुर ब्लू के बीच खेला गया जिसमें हैदराबाद गोल्ब 2-0 से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। कल आठ फरवरी को नागपुर ब्लू और हैदराबाद गोल्ब के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। मैच को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच रहे है और मैच का आनंद ले रहे है।

निर्धारित लक्ष्य 31 मार्च तक प्राप्त किया जाए-कलेक्टर

मां मावली मेला की तैयारी की समीक्षा

नारायणपुर, 7 फरवरी। समय-सीमा की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एसआर ब्राम्हणे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभागीय लक्ष्य की जानकारी लेते हुए श्री ब्राम्हणे ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2011-12 समाप्त होने को है, जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री सचिवालय अथवा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों का निराकरण त्वरित गति से करने के निर्देष दिए गए। मां मावली मेला का शुभारंभ 15 फरवरी से होना है अत: मेला स्थल पर साफ-सफाई के विशेष ध्यान देने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए गए। मेला के दौरान नृत्य, पारम्परिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा साथ ही साथ विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। ये शासकीय स्टॉल जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित होगा। इन स्टॉलों में पर्यटकों, ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी

देने के लिए संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी को तैनात करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मेला के दौरान पूरे 24 घण्टे डॉक्टरों को दवाईयों के साथ तैनात करने के निर्देश दिए गए साथ ही एम्बुलेंस की भी तैनाती के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी नारायणपुर के द्वारा शौचालय निर्माण के संबंध में अवगत कराया गया कि 66 स्थानों पर शौचालय निर्माण कार्य प्रगति पर है, 21 स्थानों पर निर्माण कार्य ईंटों की कमी के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी ओरछा के द्वारा भी इस संबंध में अवगत कराया गया कि 66 स्थानों में शौचालय निर्माण का कार्य प्लींथ स्तर तक पूर्ण कर लिया गया है, 91 स्थानों में निर्माण कार्य प्रगति पर है, शेष 12 शौचालय निर्माण कार्य बंद हैं। जिला परियोजना समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन ने बताया कि 290 शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत जिले के लिए 50 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा गया है जो कि मार्च तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रायपुर में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अन्तर्गत 1001 जोड़ों का विवाह किया जाना है, जिसमें से 10 जोड़े नारायणपुर से शामिल होंगे। राशन कार्ड वितरण के संबंध में अवगत कराया गया कि अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिया गया है, शेष कार्य 1 सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। श्री ब्राम्हणे ने सभी निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि 31 मार्च के पहले निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर लिया जावे। उन्होंने विभिन्न शासकीय निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान समय पर करने के निर्देश दिए। मेला के दौरान कृषि विभाग, चिकित्सा, पशु चिकित्सालय, मत्स्य विभाग, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, वन विभाग, आदिम जाति तथा अनुसूचित जति विकास विभाग, बांस शिल्प, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला पंचायत इत्यादि विभागों की आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों, ग्रामीणों के लिए सुलभ व सस्ता भोजन व्यवस्था के लिए दो दाल-भात केन्द्र बनाए जाने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश सिंह राणा, अपर कलेक्टर एच कुजूर, एसडीएम प्रकाश सर्वे, सहायक आयुक्त पीएल रामटेके, मुख्य नगर पालिका अधिकारी केपी साहू, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीआर धनेलिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी मुक्तानंद खुंटे, उपजिलाधिकारी सीडी जांगड़े, एमएस ओट्टी के अलावा अन्य जिलाधिकारी उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों के मानदेय, यात्रा भत्ता के त्वरित भुगतान के निर्देश

छत्तीसगढ़ संवाददाता

नारायणपुर, 7 फरवरी। कलेक्टर एसआर ब्राम्हणे ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों के मानदेय व यात्रा भत्ता का नियमित समय पर भुगतान न करने पर गंभीरता से लेते हुए कड़े निर्देश जारी किए।

उन्होंने निर्देशित किया है कि राज्य शासन द्वारा जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर पंचायत, प्राधिकरण, बोर्ड, समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य को उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आयोजित विभागीय बैठकों में सम्मिलित होने के लिए एवं शासकीय प्रयोजनों से की गई यात्राओं के लिए विहित दरों के अनुसार मानदेय, दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता, यात्रा भत्ता प्रदान करने के निर्देश हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों को समय पर नियत मानदेय, दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता एवं यात्रा भत्ता न दिया जाना शासन के निर्देशों के विपरीत है।

उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, उप संचालक पंचायत एवं समाज कल्याण, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ओरछा-नारायणपुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं सचिव कृषि उपज मंडी को निर्देशित किया है कि आपके निकाय के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को देय मानदेय, दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता, यात्रा भत्ता का भुगतान निकाय की आयोजित बैठक में ही वितरित किया जावे।

लैम्प्सों में धान खरीदी 15 तक

कोंडागांव, 7 फरवरी। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के माध्यम से विभिन्न ग्रामों में संचालित लैम्प्स व उप खरीदी केन्द्रों में धान की खरीदी 15 फरवरी तक ही होगी ।

इस आशय की जानकारी देते हुए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा कोंडागांव के शाखा प्रबंधक एमडी सिन्हा ने बताया कि पूर्व वर्ष में किसानों द्वारा खरीदी की अंतिम तिथि को अधिक मात्रा में लैम्प्सों में धान लाया गया व पर्ची लेकर अंतिम तिथि के बाद भी धान की तौल कराई गई थी। लेकिन इस वर्ष 15 फरवरी तक जितने किसानों का धान तौल कर लिया जाएगा उन्हीं की धान खरीदी जाएगी, इसलिए किसान समय रहते अपना-अपना धान लैम्प्स तक पहुंचाए और तौल करा लें अन्यथा बाद में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है ।

इसके साथ ही श्री सिन्हा ने नव जिला कोंडागांव के पांच तहसील के विभिन्न ग्रामों में संचालित लैम्प्सों में 6 फरवरी तक खरीदी की गई धान की मात्रा के विषय में भी जानकारी दी । प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कोंडागांव के अंतर्गत आने वाले 5 तहसील माकड़ी, केशकाल, फरसगांव, बड़ेराजपुर एवं कोंडागांव में कुल खरीदी 148376.67 क्विंटल की गई है जिसमें से 124088 क्विंटल धान का परिदान किया जा चुका है वहीं 24289.03 क्विंटल धान अभी लैम्प्स में शेष है । साथ ही यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि बड़े राजपुर तहसील के विश्रामपुरी सोसायटी के विश्रामपुरी उपार्जन केन्द्र ने सबसे ज्यादा खरीदी करते हुए 15957.65 क्विंटल धान खरीदी का आकड़ा दर्ज किया वहीं माकड़ी सोसायटी के बवई उपार्जन केन्द्र में खरीदी शून्य दर्ज किया गया ।

समीक्षा बैठक 16 को

दंतेवाड़ा, 7 फरवरी। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में 16 तारीख को विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे से किया गया है। इस दौरान जिले में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोकनिर्माण विभाग, विद्युत यांत्रिकी विभाग, गृह निर्माण मंडल, क्रेडा, समेत समस्त नगर पंचायत एवं नगरपालिकाओं के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को उपस्थित होने के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नीरज बंसोड़ द्वारा जारी कर दिए गए हैं।

बैठक 15 को

दंतेवाड़ा, 7 फरवरी। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में आगामी 15 तारीख को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नीरज बंसोड़ ने बताया कि 15 फरवरी को जिले के वन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, जलग्रहण क्षेत्र विकास कार्यक्रम से संबंधित हो रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

भूमि समतलीकरण व पहुंच मार्ग के कार्य स्वीकृत

नारायणपुर, 7 फरवरी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत् पंजीकृत परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2011-12 की कार्य योजना में से अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ओरछा द्वारा दी गई तकनीकी स्वीकृति के आधार पर 7 ग्राम पंचायतों में भूमि समतलीकरण एवं मिट्टीकृत पहुंच मार्ग के लिए 22.66 लाख रुपए की स्वीकृति मुख्य कार्यपालन अधिकारी नारायणपुर द्वारा जारी की गई है।

ग्राम पंचायत डूंगा ग्राम आलवाड़ा में 10 हितग्राहियों के भूमि समतलीकरण कार्य 200 क्यु. मी. के लिए 2 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पिड़ियाकोट ग्राम पिड़ियाकोट में 10 हितग्राहियों के भूमि समतलीकरण कार्य 200 क्यु.मी. के लिए 2 लाख रुपए, ग्राम पंचायत थुलथुली ग्राम मोगाड़ी में 10 हितग्राहियों के भूमि समतलीकरण कार्य 200 क्यु. मी. के लिए 2 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मुरूमवाड़ा ग्राम हरवेल में भूमि समतलीकरण कार्य 200 क्यु. मी. के लिए 0.19 लाख रुपए, ग्राम पंचायत घमण्डी ग्राम कोंगाली/ वाड़ापेंदा में भूमि समतलीकरण कार्य 200 क्यु. मी. के लिए 0.19 लाख रुपए, ग्राम पंचायत गुदाड़ी ग्राम गुदाड़ी में मिट्टीकृत पहुंच मार्ग भाग-एक, 1 कि.मी. के लिए 8.13 लाख रुपए, ग्राम पंचायत गुदाड़ी ग्राम गुदाड़ी में मिट्टीकृत पहुंच मार्ग भाग-दो, 1 कि.मी. के लिए 8.13 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इंद्रावती के घटते जलस्तर पर गोष्ठी

जगदलपुर, 7 फरवरी। स्थानीय सिरहासार भवन में अपरान्ह 4 बजे से बस्तर की जीवनदायिनी नदी इंद्रावती के निरंतर जलस्तर घटने को लेकर एक चिन्तन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में नगर के प्रबुद्ध नागरिकगण उपस्थित हुए एवं अपने विचार रखें।

विगत दिनों इंद्रावती नदी के जलस्तर में हो रही कमी को देखते हुए समाजसेवक जगदीश भूरा एवं डॉ. मनोज पाणीग्राही जोरा नाला का निरीक्षण कर लौटे। उन्होंने जोरानाला की स्थिति को देखते हुए कहा कि वर्तमान में जोरा नाला की जो दशा है यही स्थिति बनी रही तो कुछ दिनों बाद बस्तर की प्राणदायिनी इंद्रावती नदी विलुप्त हो जायेगी। उक्त चिंता को व्यक्त करते हुए उन्होंने नगर के प्रबुद्ध नागरिकों के विचार जानने एवं इंद्रावती नदी के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक चिन्तन गोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें बस्तर के शिक्षा विद् केके झा, प्रोफेसर बसंत लाल झा, इंजीनियरिंग कालेज के प्राचार्य श्री खरे, राजबहादूर सिंह राणा, किशोर पारेख, मिंटू कर, शरदचंद्र वर्मा, संजीव शर्मा एवं अन्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पूर्व में इंद्रावती नदी की स्थिति के विषय में विस्तृत वर्णन्न किया एवं वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। सभी ने वर्तमान में जोरानाला पर आए परिवर्तन के चलते इंद्रावती नदी में पानी का प्रवाह रूक जाने से तथा उक्त समस्या की ओर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं छग शासन के द्वारा हो रहे उपेक्षा के चलते काफी अफसोस व्यक्त किया गया। इसके साथ ही मां इंद्रावती नदी के अस्तित्व को बचाये रखने के लिए पूरे बस्तरवासियों को स्वस्फूर्त आंदोलन करने के लिए तैयार करने हेतु अनेक सुझाव एवं मार्गदर्शन उपस्थित लोगों द्वारा दिया गया। इन सबके मद्देनजर बस्तर के विकास हेतु एक सर्वदलीय मंच बनाए जाने पर भी चर्चा हुई। जिसका कोई राजनैतिक स्वरूप नही होगा। केवल वह बस्तर एवं बस्तरवासियों के हितों से जुड़े हुए मुद्दों के लिए संघर्ष करेगी।